"जल ही जीवन है"

मानसी ममगाईं
सेंट थेरेसास स्कूल, श्रीनगर गढ़वाल

आओ मिलकर पेड़ लगाएं
हरियाली, वन, फिर से लाएं
हरित क्रान्ति की अलख जगाएं
एक नया संसार बनाएं।

वनाच्छादित बने धरातल
सूखे पर्वत दिखें कहीं ना
कल–कल करती बहती नदियाँ
ऐसे सुन्दर दृश्य दिखाएं।

पर्यावरण स्वच्छ हो अपना
जन–जन में संदेश फैलाएं
जय–जवान और जय–किसान के
नारे को साकार बनाएं।

"जल ही जीवन है" इस उक्ति को
याद रखे सारा संसार
यदि सब ऐसा याद रखें तो
निश्चित होगा बेड़ा पार।

वर्षाजल का संरक्षण कर
जल स्रोतों को समृद्ध बनाएं
कमी न हो पृथ्वी में जल की
ऐसी एक योजना बनाएं।

भू–जल स्तर ऊपर उठाएं
खेती को समृद्ध बनाएं
हो खुशहाल किसान देश में
दूर रहें प्राकृतिक आपदाएं।

पानी एक अमूल्य वस्तु है
सोच समझ कर करें प्रयोग
व्यर्थ न जाने दें हम इसको
खूब फलें–फूलें उद्योग।

स्कूलों में हम बच्चों को
पढ़ना होगा जलविज्ञान
आने वाली पीढ़ियों को
देना होगा उत्तम ज्ञान।